अमृतराय का कथा साहित्य ः मध्यवर्गीय जीवन

अनुक्रमणिका

अध्याय	शीर्षक	पृष्ठ
1.	अमृतराय ः व्यक्तिव और कृतित्व	1
1.1	अमृतराय का जीवन परिचय	2
1.2	अमृतराय के जीवन की प्रमुख घटनाएँ	11
1.3	अमृतराय का रचना संसार	15
	सन्दर्भ सूची	41
2.	अमृतराय का युगीन परिवेश और मध्यवर्गीय जीवन	44
2.1	युगीन परिवेश एवं मध्यवर्ग संबंधी अवधारणा	45
2.2	सामाजिक एवं आर्थिक परिप्रेक्ष्य	53
2.3	धार्मिक एवं साँस्कृतिक परिवेश	62
2.4	राजनीतिक और साहित्यिक परिवेश	71
	सन्दर्भ सूची	80
3.	विचारधारा प्रतिबद्धता एवं युगीन यथार्थ	83
3.1	प्रगतिशील विचारधारा और प्रतिबद्धता	86
3.2	युगीन परिवेश और यथार्थवाद	95
3.3	आलोचनात्मक यथार्थवाद और अलगावबोध	100
3.4	जीवन मूल्य और कला मूल्य	112
	सन्दर्भ सूची	122
4.	मध्यवर्गीय परिवेश , पात्र एवं वर्गीय संक्रमण	125
4.1	मध्यवर्गीय परिवेश एवं समस्याएँ	126
4.2	प्रतिनिधि एवं टाईप पात्र	133
4.3	निम्न मध्यवर्गीय जीवन एवं संक्रमण बोध	141
4.4	मध्यवर्गीय अभिलाषा और जीवन संत्रास	151
	सन्दर्भ सूची	162

5.	अमृतराय का कहानी संसार ः मध्यवर्गीय बोध		165
	5.1	नारी शोषण और परिवर्तित जीवन	167
	5.2	अमृतराय की कहानियाँ ः स्त्री-पुरुष पात्र की विवशता और जिजीविषा	178
	5.3	मध्यवर्गीय समस्याएँ और विसंगति बोध	189
	5.4	अमृतराय की कहानियों के मनोवैज्ञानिक और प्रतीकात्मक पहलू	199
		सन्दर्भ सूची	211
6.	अमृतराय का उपन्यास संसार एवं मध्यवर्गीय परिवेश		214
	6.1	अमृतराय के उपन्यास ः यथास्थितिवादी एवं परिवर्तनकामी स्त्री पात्र	215
	6.2	अमृतराय के उपन्यास ः विघटित चेतना और प्रतिबद्ध पुरुष	228
	6.3	मध्यवर्गीय परिवेश एवं सकारात्मक दृष्टि	240
	6.4	परिवेशगत विडंबनाएँ और जीवन संघर्ष	255
		सन्दर्भ सूची	269
7.	अमृतराय का कथा साहित्य ः भाषा शैली एवं शिल्प सन्दर्भ		273
	7.1	अमृतराय का कथा साहित्य ः भाषा शैली और रचना प्रक्रिया	274
	7.2	शैली वैविध्य सन्दर्भ एवं वर्ग चित्रण	295
	7.3	शिल्पगत वैशिष्ट्य एवं सम्प्रेषण	307
		सन्दर्भ सूची	315
	उपसंहार ः अमृतराय का कथा साहित्य ः उपलब्धि और सीमाएँ		318
		सन्दर्भ सूची	334
		सहायक ग्रंथ सूची	336
		सहायक पत्र-पत्रिकाएँ	339

:----------: